Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 07 जुलाई, 2022

'परीक्षा संगम पोर्टल'

हाल ही में **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)** ने '**परीक्षा संगम**' **पोर्टल** लॉन्च किया। परीक्षा संगम पोर्टल स्कूल, क्षेत्रीय कार्यालयों और CBSE के मुख्यालय द्वारा छात्रों के लिये जारी की जाने वाली सभी प्रकार की सूचनाएँ इस पोर्टल में एक स्थान पर उपलब्ध होंगी। यह पोर्टल परीक्षा से संबंधित प्रक्रियाओं को एकीकृत करेगा, जो स्कूलों के क्षेत्रीय कार्यालयों और CBSE बोर्ड के मुख्यालय द्वारा संचालित किया जाएगा। यह पोर्टल छात्रों को 10वीं और 12वीं कक्षा के बोर्ड के परिणामों की आसानी से जाँच करने में मदद करेगा। यह **CBSE बोर्ड परीक्षा से संबंधित सभी गतिविधियों के लिये वन-स्टॉप पोर्टल** है। परीक्षा संगम पोर्टल को तीन मुख्य अनुभागों में वर्गीकृत किया गया है:**1. स्कूल (गंगा) अनुभाग, 2. क्षेत्रीय कार्यालय (यमुना) अनुभाग, 3. प्रधान कार्यालय (सरस्वती) अनुभाग**।

आम महोत्सव-2022

उत्तर प्रदेश **आम महोत्सव-2022** का आयोजन **4-7 जुलाई** तक **लखनऊ में** किया जा रहा है, इस दौरान "**आम के मेगा क्लस्टर**" का भी उद्घाटन किया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 4 जुलाई को उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2022 का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में आम की 700 किस्मों और उनके उप-उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। सभी उत्पाद उत्तर प्रदेश , मध्य प्रदेश और उत्तराखंड ज़िलों के होंगे। किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ आम के उत्पादन में वृद्धि के उद्देश्य से इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर इस उद्देश्य को पूरा किया जाएगा, साथ ही महोत्सव के दौरान किसानों को विपणन रणनीतियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। भारत में लगभग 20.4 मिलियन टन आम का उत्पादन होता है जो कि विश्व के आम उत्पादन का 65% हिस्सा है, जबकि उत्तर प्रदेश में 4.5 मिलियन टन आम का उत्पादन होता है।

स्वामी रामानुजाचार्य

केंद्रीय गृहमंत्री ने 07 जुलाई, 2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिये जम्मू कश्मीर के **श्रीनगर में स्वामी रामानुजाचार्य** की प्रतिमा "**स्टेच्यू ऑफ पीस**" का अनावरण किया। स्वामी रामानुजाचार्य वैदिक दार्शनिक और समाज सुधारक थे। उन्होंने समूचे भारत की यात्रा की और समानता तथा सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर बल दिया। उनकी शिक्षाओं ने भक्ति आंदोलन के संतों को प्रेरित किया और उन्हीं के शिष्य रामानंद ने भक्ति आंदोलन की शुरुआत की। मध्य युगीन संत कवियों अन्नामाचार्य, भक्त रामदास, त्यागराज, कबीर और मीराबाई की रचनाएँ उनके दर्शन से प्रभावित रहीं। रामानुज सदियों पहले लोगों के सभी वर्गों के बीच सामाजिक समानता के पैरोकार रहे और उन्होंने समाज में जाति या स्थिति से परे **सभी के लिये मंदिरों के दरवाज़े खोलने हेतु प्रोत्साहित किया**, वह भी एक ऐसे समय में जब कई जातियों के लोगों को मंदिरों में प्रवेश की अनुमति नहीं थी। उन्होंने शिक्षा को उन लोगों तक पहुँचाया जो इससे वंचित थे। उनका सबसे बड़ा योगदान '**वसुधैव कुटुम्बकम**' की अवधारणा का प्रचार है, जिसका अनुवाद प्रायः '**सारा ब्रह्मांड एक परिवार है**', के रूप में किया जाता है।

एंथ्रेक्स का प्रकोप

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने हाल ही में **त्रिशूर ज़िले के अथिरापिल्ली में जंगली सूअरों के कई शव मिलने के बाद एंथ्रेक्स के फैलने की पुष्टि की**। **एंथ्रेक्स एक गंभीर संक्रामक रोग है**, जो **बैक्टीरिया के कारण** होता है। यह आमतौर पर भारत के दक्षिणी राज्यों में पाया गया है। यह उत्तरी राज्यों में कम पाया जाता है। **आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर, असम, ओडिशा और कर्नाटक** में इस बीमारी की सूचना मिली है। **एंथ्रेक्स को वूलसॉर्टर डिज़ीज़ (woolsorter's disease) या मैलिग्नेंट पस्ट्यूल (malignant pustule)** भी कहा जाता है। यह एक दुर्लभ लेकिन गंभीर बीमारी है, जो **बेसिलस एंथ्रेसीस** नामक रॉड के आकार के बैक्टीरिया के कारण होती है। **ये जीवाणु प्राकृतिक रूप से मिट्टी में** पाए जाते हैं। WHO के अनुसार, एंथ्रेक्स शाकाहारी जीवों की एक बीमारी है, जो जंगली और घरेलू जानवरों को प्रभावित करती है। यह एक **ज़ूनोटिक रोग** है; इस प्रकार यह जानवरों से मनुष्यों में फैलती है। व्यक्ति-से-व्यक्ति संचरण के कुछ मामले पे गए हैं, हालाँकि यह एक दुर्लभ घटना है। जंगली और घरेलू जानवर संक्रमित हो सकते हैं, जब वे दूषित मिट्टी, पानी के संपर्क में आते हैं। मनुष्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जानवरों या पशु उत्पादों से एंथ्रेक्स रोग से संक्रमित हो जाते हैं। दूषित भोजन खाने, दूषित पानी पीने, साँस लेने या त्वचा पर खरोंच के माध्यम से शरीर में प्रवेश करने पर मनुष्य संक्रमित हो सकते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-07-july-2022